खाटू मैं यू ही आता रहूं | by Ginny Kaur

तन से मन से अपने भजन से तुमको मैं यूँ ही रिझाता रहूं
खुशी मिले या ग़म इतना ही चाहे हम खाटू मैं यूँ ही आता रहूं

तुमने जो लायक समझा हमपे ये कृपा करी है
चरणों की सेवा देके खुशियों से झोली भरी है
नौकरी ये तुम्हारी जग में सबसे खरी है

नियम नहीं ये टूटे द्वार तेरा नहीं छूटे
रूठे चाहे ज़माना मुझसे नहीं तू रूठे
आंसू की झरना भी तेरे आगे ही फूटे

जग के भौतिक सुखों में तेरी तरफ ये कदम हो
तुम में शुरू हुआ जीवन तुम पे ही अब ख़तम हो
मोहित के मन के कन्हैया कोई भी ना भरम हो

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%96%e0%a4%be%e0%a4%9f%e0%a5%82-%e0%a4%ae%e0%a5%88%e0%a4%82-%e0%a4%af%e0%a5%82-%e0%a4%b9%e0%a5%80-%e0%a4%86%e0%a4%a4%e0%a4%be-%e0%a4%b0%e0%a4%b9%e0%a5%82%e0%a4%82-by-ginny-kaur/